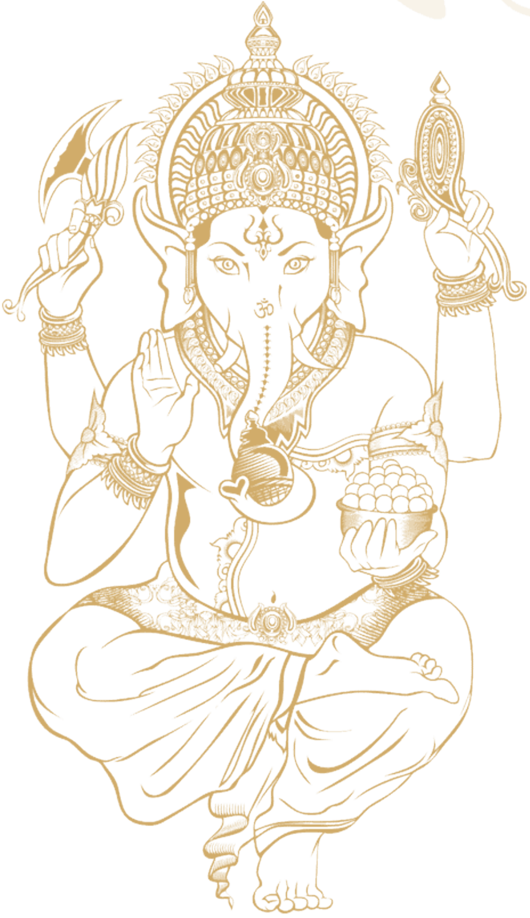

Mr suneel upadhyay

02 Jun 1988

04:00 AM

Raisen

Model: web-freekundliweb

Order No: 121430202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/06/1988**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	56:08:49 घटी
स्थान	**Raisen**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:21:00 उत्तर
रेखांश	77:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:41:16 घंटे
वेलान्तर	00:02:13 घंटे
साम्पातिक काल	20:23:44 घंटे
सूर्योदय	05:32:28 घंटे
सूर्यास्त	19:00:52 घंटे
दिनमान	13:28:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	17:55:25 वृष
लग्न के अंश	22:05:04 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	22:05:04	418:32:29	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			वृष	17:55:25	00:57:28	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	07:12:03	14:06:48	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			कुंभ	12:59:53	00:37:17	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व		मिथु	03:03:02	00:04:28	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मेष	26:02:18	00:13:45	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	मित्र राशि
शुक्र	व		मिथु	04:36:03	00:24:33	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		धनु	06:53:01	00:04:03	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	25:31:46	00:10:42	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	25:31:46	00:10:42	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	06:05:11	00:02:17	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप	व		धनु	15:50:50	00:01:23	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो	व		तुला	16:39:50	00:01:23	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			मक	09:55:38	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:45

लग्न-चलित

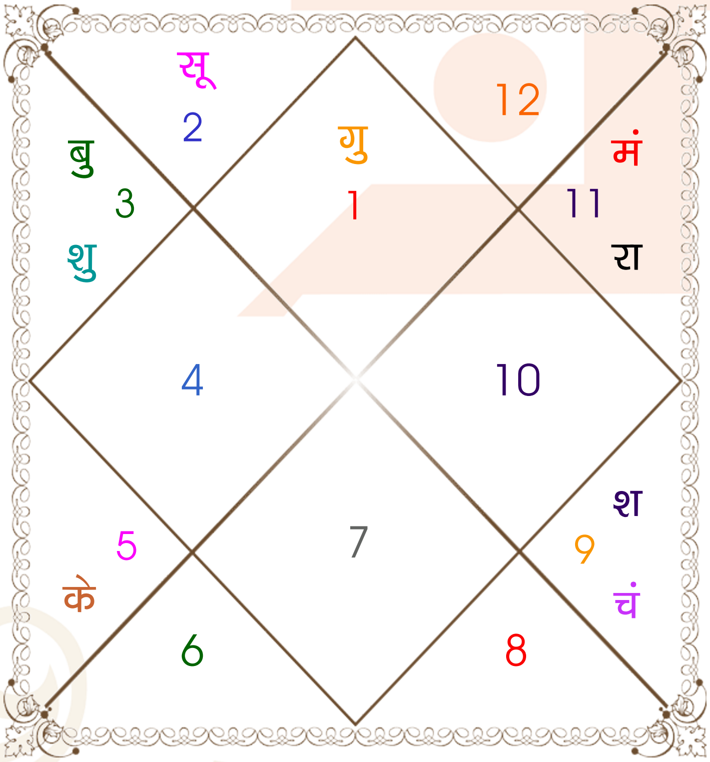

चन्द्र कुंडली

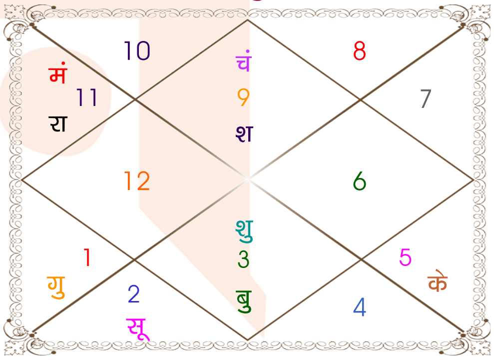

नवमांश कुंडली

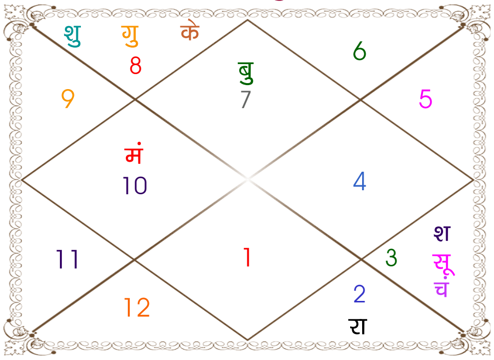

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 2 मास 19 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/06/1988		22/08/1991		22/08/2011		21/08/2017		22/08/2027	
22/08/1991		22/08/2011		21/08/2017		22/08/2027		21/08/2034	
	00/00/0000	शुक्र	21/12/1994	सूर्य	09/12/2011	चंद्र	21/06/2018	मंगल	18/01/2028
	00/00/0000	सूर्य	21/12/1995	चंद्र	09/06/2012	मंगल	21/01/2019	राहु	04/02/2029
	00/00/0000	चंद्र	21/08/1997	मंगल	15/10/2012	राहु	21/07/2020	गुरु	11/01/2030
	00/00/0000	मंगल	21/10/1998	राहु	08/09/2013	गुरु	20/11/2021	शनि	20/02/2031
	02/06/1988	राहु	21/10/2001	गुरु	28/06/2014	शनि	22/06/2023	बुध	17/02/2032
राहु	09/08/1988	गुरु	21/06/2004	शनि	10/06/2015	बुध	20/11/2024	केतु	15/07/2032
गुरु	16/07/1989	शनि	22/08/2007	बुध	15/04/2016	केतु	21/06/2025	शुक्र	14/09/2033
शनि	24/08/1990	बुध	21/06/2010	केतु	21/08/2016	शुक्र	20/02/2027	सूर्य	20/01/2034
बुध	22/08/1991	केतु	22/08/2011	शुक्र	21/08/2017	सूर्य	22/08/2027	चंद्र	21/08/2034

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/08/2034		21/08/2052		21/08/2068		22/08/2087		22/08/2104	
21/08/2052		21/08/2068		22/08/2087		22/08/2104		00/00/0000	
राहु	04/05/2037	गुरु	09/10/2054	शनि	25/08/2071	बुध	17/01/2090	केतु	18/01/2105
गुरु	27/09/2039	शनि	21/04/2057	बुध	04/05/2074	केतु	14/01/2091	शुक्र	20/03/2106
शनि	03/08/2042	बुध	28/07/2059	केतु	13/06/2075	शुक्र	14/11/2093	सूर्य	26/07/2106
बुध	19/02/2045	केतु	03/07/2060	शुक्र	12/08/2078	सूर्य	21/09/2094	चंद्र	24/02/2107
केतु	10/03/2046	शुक्र	04/03/2063	सूर्य	25/07/2079	चंद्र	20/02/2096	मंगल	23/07/2107
शुक्र	10/03/2049	सूर्य	21/12/2063	चंद्र	23/02/2081	मंगल	16/02/2097	राहु	03/06/2108
सूर्य	01/02/2050	चंद्र	21/04/2065	मंगल	03/04/2082	राहु	06/09/2099		00/00/0000
चंद्र	03/08/2051	मंगल	28/03/2066	राहु	07/02/2085	गुरु	13/12/2101		00/00/0000
मंगल	21/08/2052	राहु	21/08/2068	गुरु	22/08/2087	शनि	22/08/2104		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 2 मा 15 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।